# अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2023

**परीक्षा का नाम : विशारद पूर्ण (द्वितीय प्रश्नपत्र)**

**विषय : तबला-पखावज**

दि. 19/11/2023 समय : 3 घंटे (दोहपर 2 से 5) कुल अंक : 75

सूचना : 1) प्रश्न क्र. 6 अनिवार्य है ।
2) अन्य प्रश्नों में चार प्रश्न हल करे ।
3) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

**प्र.1. अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।** (5)

1. कथ्थक नृत्य में अतिद्रुत लय की पेशकश में ---------- प्रस्तुत किया जाता है।
   अ) झाला ब) तत्कार क) तराना
2. काली 3 का पंचम स्वर ---------- होगा।
   अ) काली 4 ब) काली 5 क) काली 1
3. पं.पर्वतसह प्रख्यात ---------- थे।
   अ) पखावजी ब) तबलिये क) नर्तक
4. ---------- घराना पखावज का घराना नही है।
   अ) नाना पानसे ब) कुदऊँसिंह क) पंजाब
5. ------ मात्रा दर्शाने हेतु पं.पलुस्कर ताललिपि में चिन्ह नही हैं।
   अ) 1/5 ब) 1/3 क) 1/4

**ब) योग्य जोडियाँ लगाइए।** (5)

| | |
|---|---|
| 1. काली 1 (C #) | अ) 4, 4, 4, 4 |
| 2. काली 5 (A #) | ब) 5, 2, 3, 4 |
| 3. धमार | क) 3, 4, 3, 4 |
| 4. झुमरा | ड) एससे आधा स्वर उपर-सफेद 2 |
| 5. तिलवाडा | इ) एससे आधा स्वर उपर-सफेद 7 |

क) सही / गलत बताकर गलत को सही कर के पुन:लिखिए। (5)

1. 10 मात्रा की तिगुन का एक पल्ला (आवर्तन) का मात्रा काल $2\frac{1}{3}$ होता है।
2. 7 मात्रा के चौगुन का एक पल्ला (आवर्तन) पौने दो मात्रा का होता हैं।
3. एकताल में तीनताल (12 में 16) यानी 4 में 3 लयकारी होती हैं।
4. 14 मात्रा के ताल की बिआड़ आवर्तन में एक बार लिखकर सम पर आने हेतु 9 वी मात्रा से शुरु होगी।
5. केहरवाँ में दादरा यानी 3 में 2 लयकारी होती हैं।

प्र.2. एकल तबला / पखावज वादन में प्रभावकारक प्रस्तुतिकरण के प्रमुख तत्त्वों की सोदाहरण विस्तृत चर्चा करें। (15)

प्र.3. किसी भी एक घराने के बारे में निम्नलिखित मुद्दों के आधारपर विस्तृततासे लिखिए। (15)
स्थापना, संस्थापक, बाज, वादनशैली एवंम् वादन विशेषता, प्रमुख बोल / बोलपंक्ति, घराणेदार बंदिश और घराने के प्रमुख वादक कलाकारों के नाम।

प्र.4. उपशास्त्रीय अथवा सुगम संगीत के साथ तबला / पखावज की साथ संगत के बारे में अपने विचार सोदाहरण लिखिए। (15)

प्र.5. कोई दो कलाकारों का जीवन परिचय तथा सांगीतिक योगदान लिखिए। ($7\frac{1}{2}+7\frac{1}{2}=15$)
तबला के विद्यार्थी– 1. उ.चुडियावाले ईमामबक्ष 2. उ.शम्मु खाँ 3. उ.नत्थु खाँ
पखावज के विद्यार्थी– 1. पं.अयोध्याप्रसाद 2. पं.पर्वतसह 3. पं.गोवदराव बऱ्हाणपूरकर

**प्र.6. सूचना अनुसार लिपिबद्ध करें। (कोई तीन)** **(5x3=15)**

1. 14 मात्रा की ताल में एक रेला। (3 पलटे और तिहाई के साथ)
2. किसी भी घराने की एक बंदिश।
   (घराना और रचनाकार के नाम के साथ)
3. 12 मात्रा के ताल की तिगुन और चौगुन। (पं.पलुस्कर तालिपि में)
4. 11 मात्रा के ताल में एक दमदार और एक बेदम तिहाई।
   (पं.पलुस्कर तालिपि में)
5. किसी भी ताल में एक खंड जाति रचना/बंदिश लिपिबद्ध करें।

**प्र.7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपने विचार से निबंध लेखन करें।** **(15)**

1. तबला/पखावज वादन कला का आदर्श रियाज
2. पढंत एक आवश्यकता
3. तबला / पखावज वादन : वर्तमान स्थिती